लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम .... पंजाब केसरी ....
दिनांक 23.12.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-6

किसान दिवस पर प्रदेश के 25 किसानों को प्रगतिशील व 2 को मिला किसान रत्न अवार्ड

हरियाणा की 5 महिला किसान सहित 27 किसानों को मिला प्रगतिशील किसान अवार्ड

हिसार, 22 दिसम्बर (संदीप): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में रविवार को आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम में हरियाणा के 27 किसानों को अवार्ड देकर स मानित किया गया। जिनमें पानीपत व कुरुक्षेत्र के 2 किसानों को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं प्रदेश सभी जिलें से 25 किसानों को प्रगतिशील किसान अवार्ड से सम्मानित किया गया। चर्चा का विषय ये रही की इन 25 किसानों में 5 महिला किसानों को प्रगतिशील अवार्ड से नवाजा गया।

इन किसानों को डिप्टी सी.एम. दुष्यंत चौटला, पद्मश्री अवार्डी डा. विजय पाल, राज्य मंत्री अनूप धानक, वी.सी. डा. के.पी. सिंह, डा.आर.एस. हुड्डा, डा. एस.के. सहरावत आदि ने सम्मानित किया।

किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित करते डिप्टी सी.एम. दुष्यंत चौटाला व अन्य।

इन किसानों को मिला प्रगतिशील किसान अवार्ड

प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रगतिशील किसानों और कृषक महिलाओं को मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। सम्मानित किए गए इन किसानों एवं कृषक महिलाओं में यमुनानगर से निर्मल सिंह, फतेहबाद से सुरेश कुमार एवं सिमरजीत कौर, सिरसा से जैत कुमार एवं शमशेर सिंह संधू, रोहतक से संदीप व अनीता, हिसार से सुरेश गोयल व राम भगत, पलवल से बीजन सिंह रावत, जींद से ऋषि राम एवं रीना देवी, कैथल से महिंद्र सिंह, अंबाला से रोहित कुमार, महेंद्रगढ़ से किशन लाल, पंचकूला से हाकम सिंह, सोनीपत से महेश कुमार, फरीदाबाद से मुकेश कुमार एवं रजनी, बावल से रामप्रसाद, करनाल से विकास चौधरी, झज्जर से धर्मबीर व गोमती देवी तथा भिवानी से विकास फौगाट को प्रगतिशील किसान के अवार्ड से नवाजा गया।

इन किसानों को मिला किसान रत्न अवार्ड

कुरुक्षेत्र जिले के मंगोली जाटान गांव के किसान कुलबीर सिंह को उत्कृष्ट कृषि करने व कृषि के साथ-साथ उच्च कोटी मार्कीटिंग करने तथा एक जागरूक किसान होने के कारण किसान रत्न अवार्ड से नवाजा गया। किसान कुलबीर ने बताया कि वह प्रकार की फसल को तकनीक के साथ पैदा करते हैं। कुलबीर ने बताया कि कम खर्चा करके ज्यादा आमदनी का टारगेट रहता है। कुलबीर ने बताया कि वो हर फसल पर रिसर्च करते हैं।

-किसान कुलबीर सिंह गांव मंगोली जाटान, जिला कुरुक्षेत्र।

पानीपत जिले के गांव उरनाला के किसान प्रीतम सिंह को किसान रत्न अवार्ड से नवाजा गया। प्रीतम सिंह ने बताया कि उसने करीब 10 साल परंपरागत तरीके से खेती करना छोड़ दिया था। फिलहाल प्रीतम सिंह नई-नई किस्म के बीच उत्पादन करने का काम कर रहा है। प्रीतम सिंह ने बताया कि वो आलू, गेहूं, चना, कपास व धान की नई-नई किस्म के बीच तैयार करता है, जिनको लेकर किसान अपनी फसल की अच्छी पैदावार लेते हैं। इसना ही नहीं प्रीतम सिंह करीब 20 से 30 लोगों को रोजगार भी देता है।

-प्रीतम सिंह, गांव उरनाला, जिला पानीपत।

" पद्मश्री विजेता डॉ. विजयपाल सिंह ने कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि बदलते समय का लाभ लेने के लिए खुद भी पढ़ो और अपने बच्चों को भी पढ़ाओ। उल्लेखनीय है कि डा. विजयपाल द्वारा खोजी गई धान की पूसा-1 और पूसा-1121 को किसानों द्वारा कर्जापाड़ किस्मों के रूप में जाना जाता है।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक भास्कर

दिनांक: 23.12.2019 पृष्ठ सं.: 3 कॉलम: 1-5

एचएयू में किसान दिवस पर 24 प्रगतिशील किसान और दो को किसान रत्न पुरस्कार से किया सम्मानित

जूट के बैग, अचार, मुरब्बा तैयार कर सैकड़ों महिलाओं को रोजगार दे रही बहादुरगढ़ की गोमती और फतेहाबाद की समरजीत कौर

भास्कर न्यूज़ | हिसार

कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो कोई भी काम मुश्किल नहीं है। कुछ ऐसा ही कर दिखाया है बहादुरगढ़ के नूना माजरा की गोमती और फतेहाबाद के भिडाना गांव की समरजीत कौर और एचएयू के किसान दिवस में सम्मानित किए प्रगतिशील और किसान रत्न से पुरस्कृत किसानों ने। दूसरों के लिए मिसाल कायम करने पर 26 किसानों को सम्मानित किया गया। इनमें महिलाएं भी शामिल रहीं। महिलाएं जूट के बैग से लेकर घरेलू अचार और मुरब्बा तैयार कर न सिर्फ खुद प्रतिमाह बीस हजार से अधिक रुपये कमा रही हैं बल्कि सैकड़ों महिलाओं को भी रोजगार दिया जा रहा है। खुद डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने भी प्रगतिशील किसानों और किसान रत्न से सम्मानित किसानों की खूब सराहना की।

इन किसानों को मिला प्रगतिशील किसान पुरस्कार : यमुनानगर के निर्मल सिंह को प्रवीणता, फतेहाबाद के जाड़लीकलां के सुरेश कुमार को समन्वित कृषि, सिरसा के रुपाना खुर्द के जैत कुमार कृषि में विविधीकरण एवं मशीनरी, रोहतक के सांघी गांव के संदीप को समन्वित कृषि, हिसार के तलवंडी के सुरेश गोयल को कृषि में विविधीकरण, पलवल के नांगल के बीजन सिंह रावत को कृषि में विविधीकरण, जींद के ऋषिराम को कृषि में विविधीकरण को कृषि एवं संबद्ध उद्यमों में विविधता, कैथल के रसीना के महेंद्र सिंह को कृषि एवं संबद्ध उद्यमों में विविधता, अम्बाला के मंधौर के रोहित कुमार को कृषि एवं संबद्ध उद्यमों में विविधता, महेंद्रगढ़ के नंदान गांव के किशनलाल को कृषि एवं संबद्ध उद्यमों में विविधता, पंचकूला के शामत के हाकम सिंह को कृषि में विविधीकरण, सोनीपत के महेश कुमार कृषि में विविधीकरण, फरीदाबाद के मंझावली के मुकेश कुमार कृषि उद्यमों में विविधता, शाहपुर के रामप्रसाद कृषि में विवधीकरण, करनाल के तरावड़ी के विकास चौधरी कृषि में विविधीकरण एवं बीज उत्पादन, झज्जर के दादरी तोए के धर्मवीर कृषि में विविधिकरण एवं नवीन तकनीकों का प्रयोग, भिवानी के विक्रम फौगाट को कृषि मे विविधीकरण, सिरसा के मटदादू के शमशेर सिंह को कृषि में विविधीकरण, जींद के पांडू पिंडारा की रीना को सिलाई कढाई, फतेहाबाद के भिरडाना की सिमरजीत कौर कृषि उत्पादों का मूल्य संवर्धन, रोहतक के मायना की अनिता को सिलाई कढ़ाई एवं चूड़ी निर्माता, फतेहाबाद के तिगांव की रजनी को सिलाई-कढ़ाई एवं फल सब्जी मूल्य संवर्धन, झज्जर के नूना माजरा की गोमती को वस्त्र सज्जा, हिसार के रामभगत को फार्मर फस्ट परियोजना के तहत पुरस्कार दिया गया।

कुरुक्षेत्र के मंगोली जाटान के कुलबीर सिंह, पानीपत के उरलाना खुर्द के प्रीतम सिंह को प्रवीणता के लिए किसान रत्न पुरस्कार मिला।

खुद पराली प्रबंधन करने के साथ-साथ दूसरों किसानों की भी पराली खरीद रहे करनाल के किसान विकास

करनाल के किसान विकास चौधरी को भी प्रगतिशील के लिए सम्मानित किया गया। विकास ने बताया कि पिछले करीब दस साल से वह पराली प्रबंधन पर काम कर रहे हैं। दूसरे किसानों की पराली खरीदकर चारा भी तैयार कर बेचते हैं। जिसमें हर माह पचास हजार से अधिक कमा रहे हैं।

प्रीतम ने उगाई बासमती की 1509 और 1401 वैरायटी

पानीपत के उरलाना खुर्द के किसान प्रीतम सिंह को किसान रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। प्रीतम ने बासमती की 1509, 1401 वैरायटी उगाई। पराली प्रबंधन के प्रति भी किसानों को गोष्ठी से लेकर जागरूकता अभियान के माध्यम से जागरूक किया जाता है।

गन्ने में वाइड रो स्पेसिंग टेक्नीक से अधिक गन्ना उगा रहे यमुनानगर के किसान निर्मल सिंह

यमुनानगर के किसान निर्मल सिंह ने वाइड रो स्पेसिंग टेक्नीक से कम बीज में अधिक गन्ना उगाकर मुनाफा कमाया। बताया कि इस तकनीक में बीज आधा लगता है। वहीं लैबर की भी जरूरत नहीं होती है। यहीं नहीं आंधी या फिर तूफान में भी गन्ना नहीं गिरता है। इसके अलावा दोबारा भी उक्त गन्ने पर उगाया जा सकता है।

घरेलू काम के बाद तैयार किया जाता है अचार और मुरब्बा

एचएयू में किसान दिवस पर सम्मानित फतेहाबाद के भिड़ाना की समरजीत कौर ने बताया कि पिछले करीब एक साल पूर्व घर पर ही घरेलू नुस्खों से आम, गाजर समेत कई अचार, जैम, मुरब्बा तैयार करना शुरू किया था। अब गांव और आसपास क्षेत्र की चालीस से अधिक महिलाएं अचार, मुरब्बा आदि तैयार कर प्रतिमाह दस से लेकर बीस हजार रुपये कमा रही है। घरेलू काम के बाद अचार और मुरब्बा तैयार किया जाता है।

आज पचास महिलाएं बैग तैयार कर कमा रही रुपए

झज्जर के नूना माजरा की गोमती ने बताया कि एक साल पहले उसने पॉलिथिन के प्रयोग को बंद कराने के उद्देश्य से जूट से बैग तैयार करना शुरू किया था। इसके बाद उनके साथ अन्य महिलाएं जुड़ती चली गईं। अब 50 से अधिक महिलाएं हर माह 20 हजार तक कमा लेतीं हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........दैनिक भास्कर........
दिनांक 23.12.2019 .... पृष्ठ सं. 4 .... कॉलम 1-4

एचएयू में किसान दिवस पर प्रदेश के 24 प्रगतिशील किसान सम्मानित

फसल बिक्री के लिए एचएयू बने सूत्रधार : उप-मुख्यमंत्री

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय फसलों की बिक्री के लिए मार्केटिंग में सूत्रधार की भूमिका निभाए और नई संभावनाएं तलाश करें, ताकि किसानों के लिए उन्नति की नई राहें खुल सकें। यह बात प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कही। वह रविवार दोपहर को एचएयू के इंदिरा गांधी सभागार में आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश के सभी 22 जिलों से आए 24 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। चौटाला ने कहा कि बेहतर तकनीक, मार्केटिंग व शोध की मदद से प्रदेश के किसानों व खेती की दशा को बदला जा सकता है। पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी दोनों ने ही किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा, जिनकी स्मृति में आज यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

किसानों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने लायक बनाने की जरूरत है। यदि हम दिल्ली-एनसीआर की मार्केट का लाभ अपने किसानों को दिलवा सकें तो यह कृषि की तस्वीर व तकदीर को बदलने वाली बात होगी। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को सलाह दी कि वे अपने यहां रैक्सिन व लैदर के बैग और फाइल कवर के स्थान पर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा बनाए जाने वाले जूट के बैग व फाइल कवर के प्रयोग को बढ़ावा दें। उन्होंने शोध कार्य के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की।

एचएयू में किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बैठे प्रगतिशील और किसान रत्न से सम्मानित किसान।

वीसी बोले-फसल अवशेषों से भी कमा सकेंगे मुनाफा

एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों व किसानों के अथक प्रयासों से आजादी के समय से राज्य में गेहूं का उत्पादन छह गुणा, चावल आठ गुणा, कपास तीन गुणा एवं तिलहनी फसलों का उत्पादन पांच गुणा बढ़ा है। एचएयू द्वारा फिशरी महाविद्यालय की स्थापना की गई है, जो हरियाणा का एकमात्र फिशरी महाविद्यालय है। पराली पर कहा कि जब किसान फसल के मुख्य उत्पाद से जितना मुनाफा कमाते हैं, उतना ही मुनाफा फसल अवशेषों से कमाया जा सकेगा। विवि एनसीआर क्षेत्र में एग्री बिजनेस कॉलेज के माध्यम से प्रदेश किसानों का उत्पाद को एनसीआर की मांग को पूरा करने का योगदान करेगा। रैंकिंग के मामले में यह विवि अपने पैतृक विश्वविद्यालय पंजाब विवि से भी आगे निकल गया है। धान के प्रख्यात वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. वीपी सिंह ने किसानों का आह्वान करते हुए कहा कि मृदा के स्वास्थ्य को बनाए रखने व अधिक फसल उत्पादन लेने के लिए समय अनुसार मृदा परीक्षण करवाएं और सिफारिश के अनुसार रासयनिक उर्वरक डालें। इस अवसर पर श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री अनूप धानक, विस्तार शिक्षा निदेशक, डॉ. आरएस हुड्डा, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, मौसम वैज्ञानिक डॉ. एमएल खीचड़, एसडीएम परमजीत चहल, एचएयू बोर्ड सदस्य सुदेश चौधरी, प्रो. मनदीप मलिक, पूर्व विधायक पूर्ण सिंह डाबड़ा, शीला भ्याण, जिला प्रधान जयपाल बांडाहेड़ी, युवा नेता अमित बूरा, राजमल काजल, एडवोकेट हरिसिंह बूरा, राजेंद्र लितानी, सिल्क पूनिया, सजन लावट, राजकुमार सलेमगढ़, मनदीप बिश्नोई एडवोकेट, समेत अनेक राजनेता, अधिकारी और कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम: दैनिक जागरण
दिनांक: 23.12.2019 पृष्ठ सं: 13 कॉलम: 1-6

नारी शक्ति | प्रदेश की पांच महिलाओं को एचएयू के किसान दिवस कार्यक्रम में मिला प्रगतिशील किसान अवार्ड

चूल्हे से मंच तक दिखाया जलवा, अब परिवार को आगे बढ़ा रही नारी शक्ति

पिंकू यादव • हिसार

प्रदेश में नारी शक्ति किसी से कम नहीं है। चाहे वह घर संभालने का काम हो या कृषि का। हर नारी अपनी शक्ति को दिखा रही है। ऐसी ही महिलाओं को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में प्रगतिशील किसान के रूप में सम्मानित किया गया। प्रदेश की पांच महिलाओं ने अपने काम के दम पर न केवल अपनी जिंदगी बदली बल्कि गांव व शहर में एक ग्रुप बनाकर बाकी महिलाओं को आगे बढ़ाया। कोई बच्चों के लिए स्कूल के बैग बना रही है तो कोई आचार।

प्रदेश में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कृषि विकास केंद्र में ट्रेनिंग दी जाती है। कई महिलाओं तो इसमें अब ट्रेनिंग भी देती हैं। ऐसी महिलाओं को एचएयू में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने सम्मानित किया।

एचएयू के आइजी सभागार में किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में किसान अनीता को सम्मानित करते उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और राज्य मंत्री अनूप धानक व साथ में खड़े कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह व डा. विजय पाल। • जागरण

अनीता ने यू-ट्यूब पर सीखा चूड़ियां बनाना

रोहतक निवासी अनीता सिल्क थ्रेड की चूड़ियां बनाने का काम करती है। चार साल पहले अनीता चूड़ियां बनाते हुए यू ट्यूब पर वीडियो देख रही थी। उसको देखकर यह काम करने का शोक हुआ। उसने चूड़ियां बनाने की ट्रेनिंग ली और उसका काम शुरू किया। अब वह चूड़ियों का पूरा सैट बनाती हैं। इसे गांव में अधिकतर लड़कियां अपनी शादी में खरीदती हैं। उनकी बनाई गई चूड़ियों की कीमत 450 रुपये से शुरू होती है। अनीता ने बताया कि वह चूड़ियां बनाकर महीने में लगभग छह हजार रुपये कमा लेती हैं। वहीं इसके साथ-साथ वह कटिंग व टेलरिंग का काम भी करती हैं। इसकी ट्रेनिंग उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र रोहतक से ली।

महिलाओं को बैग बनाने की ट्रेनिंग दे रहीं रजनी

प्रगतिशील किसान रजनी। • जागरण

फरीदाबाद के टिगांव की रहने वाली रजनी। 2012 में शादी से पहले उसने कृषि विकास केंद्र से बैग बनाने की ट्रेनिंग ली। ट्रेनिंग लेने के बाद उसने शुरुआत में काम किया। उसके बाद वह 2014 में केंद्र में ही ट्रेनिंग देने लगीं। गांव में रजनी ने गांव की महिलाओं का एक समूह बनाया। समूह में दस महिलाएं उनके साथ जुड़ गई। सभी ने मिलकर घर पर ही सात मशीनें लगाईं। मशीनें लगाने के बाद बैग बनाने का काम बड़े स्तर पर शुरू हुई। स्कूल के समय में काफी आर्डर आने लगे। एक बैग बनाने पर महिलाओं का 150 से 200 रुपये खर्चा आता लेकिन वह बाजार में 500 से एक हजार रुपये तक बेच देती थी। रजनी ने बताया कि उसने एमए अंग्रेजी में पढ़ाई की है। शादी होने के बाद उसने यह काम करने की सोची। अब वह ग्रुप में महिलाओं के साथ मिलकर काम करती हैं। एक माह में हर महिला को 25 से 30 हजार रुपये तक बच जाते हैं।

सिमरजीत के अचार के खूब चर्चे

प्रगतिशील किसान सिमरजीत। • जागरण

फतेहाबाद के भिरडाना निवासी सिमरजीत ने दो साल पहले अपना अचार बनाने का काम शुरू किया था। काम को देखते हुए गांव की काफी महिलाएं उनके साथ जुड़ी और वह आगे बढ़ती गई। कृषि विकास केंद्र में उन्होंने ट्रेनिंग ली। उसके बाद महिलाओं को उन्होंने सिखाया और आचार बनाने का काम शुरू किया। काम करते हुए महिलाओं ने अपना खर्च निकालना शुरू किया। आज व अपने परिवार के साथ काम करती हैं। महिलाओं को लेकर उनकी तरफ से समूह बनाया गया है। परिवार और गांव उनका पूरा साथ देता है। उनके बनाए अचार व अन्य सामान की दूर-दूर तक मांग है।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम....दैनिक जागरण....

दिनांक....23.12.2019.... पृष्ठ सं....3.... कॉलम....1-4....

एचएयू को बांटने का फैसला गलत, मैं सूत्रधार बना तो जोड़ने की करूंगा कोशिश : दुष्यंत

22 प्रगतिशील किसानों और महिला किसानों को किसान दिवस पर किया सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी की याद में किसान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और विशिष्ट अतिथि के तौर पर पद्म श्री प्रो. वीपी सिंह उपस्थित हुए। डिप्टी सीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की नौ फीट ऊंची तांबे से बनी प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने बायो गैस प्लांट का दौरा भी किया।

डिप्टी सीएम दुष्यंत ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एक वृक्ष था, मगर हमने लुवास और बागबानी विश्वविद्यालय बनाकर इस वृक्ष के हिस्सों को अलग कर दिया। मगर इस फैसले से हुआ नुकसान हमारे किसानों को झेलना पड़ा। मुझे नहीं पता बोर्ड के लोगों की क्या राय होगी, कुलपति की क्या सोच होगी, मगर इस फैसले ने एचएयू जैसे बड़े इंस्टीट्यूशन की तरक्की में बाधा उत्पन्न की। अगर भविष्य में मैं सूत्रधार बना तो चाहूंगा कि इस पेड़ के हमने जो हिस्से किए हैं, उसे वापस इकट्ठा कर सकूं। कार्यक्रम में अध्यक्षता कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की। उन्होंने बताया कि किसानों की मदद और वैज्ञानिकों के प्रयासों के बल पर एचएयू अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है।

इस कार्यक्रम में प्रदेश भर से आए 22 प्रगतिशील किसानों को डिप्टी सीएम ने सम्मानित किया। इसमें दो किसान कुलबीर सिंह व प्रीतम सिंह को इस वर्ष के कृषि रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। डिप्टी सीएम ने किसानों के उत्थान के लिए अपनी तरफ से एचएयू को 31 लाख रुपये देने की घोषणा भी की।

सीएए और एनआरसी पर कुछ लोग देश को भटका रहे हैं : नागरिकता संशोधन कानून को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा कि यह काफी अच्छा कानून है। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से इसे पढ़ा भी है। भारत के नागरिकों को किसी प्रकार से डरने की आवश्यकता नहीं है। मैं सबसे आग्रह करूंगा कि पहले इस कानून को देखें, समझें और फिर देशहित में कदम उठाएं न कि देश में अशांति फैलाएं।

हिसार स्थित एचएयू के आइजी सभागार में किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम मे किसान निर्मल सिंह को सम्मानित करते उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, साथ में खड़े हैं कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह (दाएं से दूसरे) और डॉ. विजय पाल (बाएं से दूसरे)। • जागरण

पेटेंट के नियम कुछ हल्के बनें तो मिलेगी राहत

उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि विदेशों से छात्र हमारे यहां संसाधनों का प्रयोग कर रिसर्च करते हैं और विदेश जाकर पेटेंट करा लेते हैं। क्योंकि हमारे यहां पेटेंट कराने के लिए काफी सख्त नियम और लंबी-चौड़ी प्रक्रिया है। मैं व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर निवेदन करूंगा कि जैसे विदेशों में पेटेंट कराने की आसान प्रक्रिया है, उसी प्रकार से भारत में भी पेटेंट कराने की प्रक्रिया को आसान बनाया जाए।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 23.12.2019 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 5-8

हकृवि फसलों की बिक्री के लिए बने सूत्रधार : दुष्यंत

- पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह की तांबे की 9 फुट ऊंची प्रतिमा का किया अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित करते उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हकृवि फसलों की बिक्री के लिए मार्केटिंग में सूत्रधार की भूमिका निभाए और इसकी नई संभावनाएं तलाश करे ताकि किसानों के लिए उन्नति की नई राहें खुल सकें। उन्होंने कहा कि बेहतर तकनीक, मार्केटिंग तथा शोध की मदद से प्रदेश के किसानों व खेती की दशा को बदला जा सकता है और इसके लिए हकृवि जैसे संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने यह बात हकृवि के इंदिरा गांधी सभागार में आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 22 जिलों के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में किसानों के मसीहा व पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की तांबे से बनी 9 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया और पराली प्रबंधन संयत्र का भी निरीक्षण किया।

साथ ही विश्वविद्यालय में शोध कार्य के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की जबकि पदमश्री डॉ. विजयपाल सिंह ने कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पुरातत्व-संग्रहालय व श्रम-रोजगार राज्यमंत्री अनूप धानक ने शिरकत की। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारे किसानों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने लायक बनाने की जरूरत है। हम दिल्ली-एनसीआर की मार्केट का लाभ अपने किसानों को दिलवा सकें तो यह कृषि की तस्वीर तथा तकदीर को बदलने वाली बात होगी।

चौ. देवीलाल ने रखा था चौ. चरण सिंह विवि का नाम

हकृवि कुलपति प्रो. केपी सिंह ने उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के इस कार्यक्रम में पहुंचने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उनके परदादा व पूर्व उपप्रधानमंत्री चौ. देवीलाल ने इस विश्वविद्यालय का नाम चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय रखा था। आज उपमुख्यमंत्री के रूप में उनके परपौत्र दुष्यंत चौटाला ने चौ. चरण सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया है। उन्होंने बताया कि कृषि अवशेष अब तक किसान के लिए बेकार की वस्तु रही हैं लेकिन अब विश्वविद्यालय द्वारा कोशिश की जा रही है कि किसानों को कृषि अवशेषों से फसलों से भी अधिक आमदनी हो सके।

इसके लिए हरियाणा के अलग-अलग हिस्सों में अवशेष प्रबंधन के संयंत्र लगाए जाएंगे।

सम्मान राशि विवि कल्याण कोष को दी

पदमश्री विजेता डॉ. विजयपाल सिंह ने कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि बदलते समय का लाभ लेने के लिए खुद भी पढ़ो और अपने बच्चों को भी पढ़ाओ। उल्लेखनीय है कि डॉ. विजयपाल द्वारा खोजी गई धान की पूसा-1 और पूसा-1121 को किसानों द्वारा कर्जापाड़ किस्मों के रूप में जाना जाता है। हरियाणा से प्रतिवर्ष इन किस्मों से पैदा होने वाले धान में से 30 हजार करोड़ रुपये के धान का निर्यात होता है। डॉ. विजयपाल ने आज हकृवि से मिली सम्मान राशि विश्वविद्यालय कल्याण कोष में जमा करवाने की घोषणा की।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम..... अमर उजाला
दिनांक 23.12.2019 पृष्ठ सं. 1 कॉलम 2-8

एचएयू के टुकड़े करने से किसानों को नुकसान, सूत्रधार बना तो फिर से करूंगा तीनों विवि को इकट्ठा : उपमुख्यमंत्री

उपमुख्यमंत्री ने एचएयू में आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम में सभी 22 जिलों के प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के टुकड़े कर वेटरनेरी व हॉर्टिकल्चर बना दी गई। मेरा मानना है कि इससे किसानों का नुकसान हो रहा है। साथ ही रिसर्च कार्य भी प्रभावित हो रहा है। मैं कभी सूत्रधार बना तो तीन यूनिवर्सिटीज को एक बार फिर से इकट्ठा करूंगा।

उपमुख्यमंत्री ने यह बात रविवार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के इंदिरा गांधी सभागार में आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 22 जिलों के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में किसानों के मसीहा व पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की ताबे से बनी नौ फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया और पराली प्रबंधन संयत्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में शोध कार्य (आरऐंडडी) के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की, जबकि पद्मश्री डॉ. विजयपाल सिंह ने कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पुरातत्व-संग्रहालय व श्रम-रोजगार राज्यमंत्री अनूप धानक सहित अनेक विशिष्ट व्यक्तियों ने शिरकत की। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने विश्वविद्यालय पहुंचने पर सर्वप्रथम पूर्व उपप्रधानमंत्री व अपने परदादा चौ. देवीलाल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ व इसका अवलोकन भी किया। उन्होंने ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

एचएयू में आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम में उपस्थित किसान, अधिकारी और नेता। - अमर उजाला

अपने पैतृक पंजाब विश्वविद्यालय से आगे निकल गई एचएयू

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि रैंकिंग में यह विश्वविद्यालय अपने पैतृक विश्वविद्यालय पंजाब विश्वविद्यालय से भी आगे निकल गया है। उन्होंने बताया कि कृषि अवशेष अब तक किसान के लिए बेकार की वस्तु रही है, लेकिन अब विश्वविद्यालय द्वारा कोशिश की जा रही है कि किसानों को कृषि अवशेषों से फसलों से भी अधिक आमदनी हो सके। इसके लिए हरियाणा के अलग-अलग हिस्सों में अवशेष प्रबंधन के संयंत्र लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम वो दिन देखना चाहते हैं, जब किसान का बेटा किसान बनना चाहेगा।

खुद भी पढ़ें और बच्चों को भी पढ़ाएं

पद्मश्री विजेता डॉ. विजयपाल सिंह ने कहा कि समय बहुत तेजी से बदल रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि बदलते समय का लाभ लेने के लिए खुद भी पढ़ें और अपने बच्चों को भी पढ़ाओ। उल्लेखनीय है कि डॉ. विजयपाल द्वारा खोजी गई धान की पूसा-1 और पूसा-1121 को किसानों द्वारा कर्जापाड़ किस्मों के रूप में जाना जाता है। हरियाणा से प्रतिवर्ष इन किस्मों से पैदा होने वाले धान में से 30 हजार करोड़ रुपये के धान का निर्यात होता है। उनकी उपलब्धियों की उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला सहित प्रत्येक वक्ता ने सराहना की। डॉ. विजयपाल ने हकृवि से मिली सम्मान राशि को भी विश्वविद्यालय कल्याण कोष में जमा करवाने की घोषणा की।

विदेशी छात्र हमारे संसाधनों का इस्तेमाल कर अपने देश को पहुंचाते हैं फायदा : उन्होंने कहा कि हमारे प्रदेश के विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्र पढ़ते हैं, जो यहां के संसाधनों का इस्तेमाल कर नई तकनीक खोजते हैं। मगर ये छात्र इन तकनीकों को अपने देश में ले जाकर उनका पेटेंट करवाते हैं और अपने देश को उस तकनीक का फायदा पहुंचाते हैं। इस बारे में भी हमें सोचना होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारे किसानों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने लायक बनाने की जरूरत है।

यदि हम दिल्ली-एनसीआर की मार्केट का लाभ अपने किसानों को दिलवा सकें तो यह कृषि की तस्वीर व तकदीर को बदलने वाली बात होगी। उन्होंने कहा कि आज महिला किसान भी प्रगतिशील रवैया अपनाकर खेती, पशुपालन व स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को सलाह दी कि वे अपने यहां रैकिसन और लैदर के बैग और फाइल कवर के स्थान पर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा बनाए जाने वाले जूट के बैग व फाइल कवर के प्रयोग को बढ़ावा दें।

संबंधित समाचार पेज तीन पर

एचएयू में स्थापित की गई पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरणसिंह की प्रतिमा का अनावरण करते उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला। - अमर उजाला

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण
दिनांक 23.12.2019 पृष्ठ सं 18 कॉलम 2-6

एचएयू महिलाओं को सिखाएगी जूट के फोल्डर बनाना प्रदेशभर में किए जाएंगे प्रमोट, खुद भी खरीदेगी

किसान दिवस में दो हजार किसान हुए शामिल, 22 प्रगतिशील किसान सम्मानित दो को कृषि रत्न अवार्ड

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को किसान दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रोडक्टों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने किसानों व अंत्रप्रन्यर्स के बने प्रोडक्टों का जायजा भी लिया।

इसके बाद मंच पर जाकर उन्होंने विश्वविद्यालय को कहा कि वह लैदर या दूसरे मैटेरियल से बने फाइल फोल्डर की जगह सेल्फ हेल्प ग्रुप की महिलाओं के बने जूट के फाइल फोल्डर का प्रयोग करें। इस पर कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि वह विवि के वैज्ञानिकों से इन महिलाओं को डिजायन व जरुरत की जानकारियों का प्रशिक्षण दिलाकर एचएयू जूट के फोल्डर खरीदेगी।

वहीं इन महिलाओं के इस प्रोडक्ट को प्रदेश में विवि प्रमोट भी करेगा। इसके साथ ही किसानों के मसीहाओं के नाम पर पुरस्कार देने की बात भी डिप्टी सीएम ने कही। कार्यक्रम में पुरातत्व-संग्रहालय व श्रम-रोजगार राज्यमंत्री अनूप धानक भी उपस्थित रहे। इस दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक पदमश्री वीपी सिंह को विवि ने सम्मान में 11 हजार रुपये की धनराशि दी जिसे उन्होंने किसानों के उत्थान के लिए विवि को ही दे दिया।

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद प्रतिमा के आगे खड़े दाएं से राज्य मंत्री अनूप धानक, उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह, डा. विजयपाल। ● जागरण

डिप्टी सीएम ने एग्री टूरिज्म सेंटर में फल-फूलों की ली जानकारी

इस अवसर पर डिप्टी सीएम दुष्यंत ने एग्री टूरिज्म सेंटर में फल व फूलों की नई-नई किस्मों की जानकारी ली। उन्होंने बायो गैस संयंत्र का भी दौरा किया। कार्यक्रम में विस्तार शिक्षा निदेशक, डा. आरएस हुड्डा ने स्वागत तथा अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने धन्यवाद प्रस्तावित किया। इस अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों से आए भारी संख्या में किसान उपस्थित थे जिसमें महिला किसानों की भी भागीदारी रही।

कार्यक्रम में मौजूद किसान व महिलाएं। ● जागरण

सम्मानित होने वालों में पांच महिला किसान भी शामिल

विश्वविद्यालय को राष्ट्रपति द्वारा पूर्व में हरियाणा किसान रत्न पुरस्कार के साथ 5 लाख की धनराशि मिली थी जिसको विश्वविद्यालय ने बैंक में फिक्स डिपॉजिट करवाया। जिसकी ब्याज से उत्कृष्ट खेती करने वाले किसान को विवि हर साल किसान रत्न पुरस्कार देती है। इस धनराशि से इस बार दो किसानों कुरुक्षेत्र से कुलबीर सिंह को एकीकृत कृषि प्रणाली व पानीपत से प्रीतम सिंह को बीज उत्पादन में विविधीकरण के लिए मुख्य अतिथि द्वारा किसान रत्न पुरस्कार दिया गया है। वहीं प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए 22 प्रगतिशील किसानों को भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया, जिनमें 5 महिला किसान भी शामिल थीं।

इन प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

सम्मानित किए गए किसानों में निर्मल सिंह (यमुनानगर), सुरेश कुमार एवं सिमरजीत कौर (फतेहाबाद), जैत कुमार एवं शमशेर सिंह संधू (सिरसा), संदीप व अनीता (रोहतक), सुरेश गोयल व राम भगत (हिसार), बीजन सिंह रावत (पलवल), रिषि राम एवं रीना देवी (जींद), महेंद्र सिंह (कैथल), रोहित कुमार (अंबाला), किशन लाल (महेंद्रगढ़), हाकम सिंह (पंचकुला), महेश कुमार (सोनीपत), मुकेश कुमार एवं रजनी (फरीदाबाद), रामप्रसाद (बावल), विकास चौधरी (करनाल), धर्मबीर एवं गोमती देवी (झज्जर) तथा विकास फोगाट (भिवानी) शामिल हैं।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ......दैनिक भास्कर......

दिनांक ...23.12.2019... पृष्ठ सं. ...1... कॉलम ...1-3...

परदादा ने एचएयू का नाम बदला और परपोते ने किया चौ. चरण सिंह की प्रतिमा का अनावरण

हिसार | हरियाणा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का नाम वर्ष 1991 में उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल ने चौधरी चरण सिंह विवि रखवाया था। वहीं प्रशासन भवन के सामने रविवार को पूर्व उप प्रधानमंत्री के परपोते प्रदेश के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने चौ. चरण सिंह की 9 फीट तांबे की प्रतिमा का अनावरण किया। उप मुख्यमंत्री आज जैसे ही एचएयू परिसर पहुंचे वहां सबसे पहले इंदिरा गांधी सभागार के सामने लगी अपने परदादा चौ.देवीलाल की प्रतिमा के सामने पुष्प अर्पित किए। **संबंधित खबर पेज-4**

एचएयू में स्व. चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा का अनावरण करते डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक...23.12.2019... पृष्ठ सं....3.... कॉलम...1-3...

बेहतर तकनीक व शोध की मदद से बदली जा सकती है खेती की दशा : दुष्यंत चौटाला

चौ. चरण सिंह की 9 फीट ऊंची तांबे की प्रतिमा का किया अनावरण

पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह की प्रतिमा का अनावरण करते उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला।

हिसार, 22 दिसम्बर (ब्यूरो): हरियाणा के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि बेहतर तकनीक, मार्कीटिंग व शोध की मदद से प्रदेश के किसानों व खेती की दशा को बदला जा सकता है। इसके लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जैसे संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उप मुख्यमंत्री ने यह बात हकृवि के इंदिरा गांधी सभागार में आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारे किसानों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने लायक बनाने की जरूरत है। यदि हम दिल्ली-एन.सी.आर की मार्कीट का लाभ अपने किसानों को दिलवा सकें तो यह कृषि की तस्वीर व तकदीर को बदलने वाली बात होगी। उन्होंने कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 22 जिलों के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। उन्होंने विवि परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह की तांबे से बनी 9 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया और पराली प्रबंधन संयंत्र का निरीक्षण किया।

उन्होंने विश्वविद्यालय में शोध कार्य (आर एंड डी) के लिए 31 लाख रुपए देने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने की जबकि डा. विजयपाल सिंह ने कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। उप मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय पहुंचने पर सर्वप्रथम पूर्व उपप्रधानमंत्री व अपने परदादा चौ. देवीलाल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने यहां लगाई गई प्रदर्शनी का शुभारंभ व इसका अवलोकन भी किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....अमर उजाला..........
दिनांक 23.12.2019 ...... पृष्ठ सं ......4...... कॉलम ......2-6......

परंपरागत खेती छोड़ बदली तकदीर : पानीपत के उरलाना खुर्द निवासी प्रीतम और कुरुक्षेत्र के मंगोली जाटान निवासी कुलबीर सिंह को एचएयू ने किसान रत्न से किया सम्मानित

कभी थी पांच एकड़ जमीन, आज 115 एकड़ पर खेती करते हैं प्रीतम सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। कभी उनके पास पांच एकड़ जमीन थी और वह भी बंजर थी। इस जमीन को मेहनत कर कृषि योग्य बनाया और इस पर परंपरागत ढंग से खेती करनी शुरू कर दी। खेती से गुजारा नहीं होता था तो साथ-साथ पशु पालने लगे। मगर उनका नई बीजों के प्रति शौक ने उनकी जिंदगी बदल ली।

आज उनके पास खुद की 32 एकड़ जमीन है और वह 115 एकड़ जमीन पर खेती करते हैं। वह बेशक आठवीं पास है, लेकिन उनका उठना-बैठना बड़े-बड़े कृषि वैज्ञानिकों के साथ है। यह कहना है कि पानीपत के उरलाना खुर्द निवासी किसान प्रीतम सिंह का। प्रीतम को कृषि क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के कारण एचएयू की तरफ से किसान रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। रविवार को एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह और अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सप्ताह के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

ये किसान भी सम्मानित : इस दौरान निर्मल सिंह (यमुनानगर), सुरेश कुमार एवं सिमरजीत कौर (फतेहाबाद), जैत कुमार एवं शमशेर सिंह संधू (सिरसा), संदीप व अनीता (रोहतक), सुरेश गोयल व राम भगत (हिसार), बीजन सिंह रावत (पलवल), ऋषिराम एवं रीना देवी (जींद), महिंद्र सिंह (कैथल), रोहित कुमार (अंबाला), किशन लाल (महेंद्रगढ़), हाकम सिंह (पंचकूला), महेश कुमार (सोनीपत), मुकेश कुमार एवं रजनी (फरीदाबाद), रामप्रसाद (बावल), विकास चौधरी (करनाल), धर्मबीर एवं गोमती देवी (झज्जर) और विकास फौगाट (भिवानी) को भी सम्मानित किया गया।

बीज उत्पादन कर बेचना शुरू किया, खूब कमाया मुनाफा

प्रीतम सिंह ने बताया कि देश की आजादी के समय वह सरकार की तरफ से उन्हें उत्तर प्रदेश बरेली जिले में कुछ जमीन दी गई। मगर वहां उनके साथ धोखाधड़ी हुई। वर्ष 1980 में वह परिवार सहित पानीपत के गांव उरलाना खुर्द में आ गए। यहां उन्होंने पांच एकड़ जमीन ली, जो कि बंजर थी। धीरे-धीरे उन्होंने उसे खेती योग्य बनाया। घर चलाने के लिए उन्हें पशुपालन शुरू किया। एक बार एचएयू के एक वैज्ञानिक ने उन्हें अलग-अलग किस्मों के बीज दिए। उन्होंने उस बीज को मल्टीप्लाई कर बेचना शुरू कर दिया। इसके बाद से उसे जब कभी कोई नई किस्म मिलती तो वह उसकी मल्टीप्लाई करता। इसके बाद उसने नई दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट और केवीके के लिए बीज उत्पादन करना शुरू कर दिया। उसने पद्मश्री अवॉर्डी डॉ. वीपी सिंह के साथ भी काफी काम किया। प्रीतम सिंह के मुताबिक कृषि आज के समय में घाटे का सौदा नहीं है। बस किसानों को वही फसल उगानी चाहिए, जिसे वह अच्छे दामों में बेच सके। अगर किसान इस मंत्र पर चलेंगे तो खेती कभी घाटे का सौदा नहीं बनेगी।

परंपरागत खेती छोड़कर बनें प्रगतिशील किसान : कुलबीर

किसान रत्न से सम्मानित होने वाले किसान व कुरुक्षेत्र के मंगोली जाटान निवासी कुलबीर सिंह के मुताबिक उनके पिता के पास पांच एकड़ जमीन थी, जिस पर वह परंपरागत ढंग से खेती करते थे। मगर उसकी खेती के बजाय मधुमक्खी पालन में रुचि थी। एमए करने के बाद उसने मधुमक्खी पालन शुरू कर दिया। वह पहला किसान था, जिसने ग्राफ्टिंग तकनीक की मदद से रानी मधुमक्खी तैयार की और उसे बेचा। इसके बाद उसे डेयरी व्यवसाय शुरू किया। शुरू में उसके पास पांच गाय थी, लेकिन आज उसके पास 60 गायें हैं। वह खुद दूध प्रोडक्ट जैसे लस्सी, पनीर व देसी घी बनाकर बेचता है। यही नहीं जब उसे पशुओं के चारे की जरूरत पड़ी तो मजबूरन उसे खेती भी करनी पड़ी। यहां भी उसने मिश्रित खेती की, जैसे वह गन्ने की फसल के साथ प्याज व फूलगोभी की फसल लेता है। करेले के साथ टमाटर की फसल लेता है। कुलबीर सिंह का कहना है कि अगर परंपरागत खेती से हटकर खेती की जाए तो खेती कभी घाटे का सौदा नहीं बनेगी।

एचएयू किसान नेता टिकैत के नाम पर अवार्ड शुरू करें : दुष्यंत

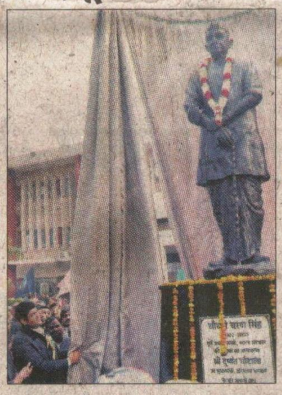

हिसार। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) किसान नेता महेंद्र सिंह टिकैत के नाम पर एक अवॉर्ड शुरू करें। वे रविवार को एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह और अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि पहुंचे थे। बता दें कि महेंद्र सिंह टिकैत मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के रहने वाले थे और वह कई वर्षों तक भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष भी रहे। उनके नेतृत्व में कई बड़े किसान आंदोलन भी हुए।

जनवरी में होगी दिल्ली चुनाव को लेकर कमेटी की बैठक

दिल्ली चुनाव में जजपा के चुनाव लड़ने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी कमेटी की बैठक जनवरी के पहले सप्ताह में होगी। बैठक में जिन जिला प्रधानों की ड्यूटी लगाई जाएगी, उनसे रिपोर्ट लेकर उसे कंपाइल करके कमेटी पार्टी को सौंपेगी। आने वाले समय में दिल्ली में भी चौ. देवीलाल की सोच को फैलाया जाएगा। दिल्ली में चुनाव भाजपा के साथ मिलकर लड़ना है या नहीं, इस बारे में संगठन फैसला करेगा। वहीं कांग्रेस के दो साल में सरकार गिराकर उनका सीएम बनाने के बयान पर दुष्यंत चौटाला ने कहा कि कांग्रेस तो दो हफ्ते में सरकार गिराने की बात कह रही थी। वह कभी कहती है कि चावल घोटाला नहीं हुआ तो कभी कहती है कि चावल घोटाला हुआ है।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक ट्रिब्यून
दिनांक 23.12.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 7-8

हकृवि में किसान दिवस कार्यक्रम

'बेहतर तकनीक, मार्केटिंग, शोध से बदलेगी किसानों व खेती की दशा'

हिसार, 22 दिसंबर (निस)

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय फसलों की बिक्री के लिए मार्केटिंग में सूत्रधार की भूमिका निभाए और इसकी नई संभावनाएं तलाश करे ताकि किसानों के लिए उन्नति की राहें खुल सकें। उन्होंने कहा कि बेहतर तकनीक, मार्केटिंग व शोध की मदद से किसानों व खेती की दशा को बदला जा सकता है और इसके लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जैसे संस्थान अहम भूमिका निभा सकते हैं।

हकृवि में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की 9 फुट ऊंची ताम्र प्रतिमा। -निस

दुष्यंत चौटाला हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यक्रम में प्रदेश के सभी 22 जिलों के प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की तांबे से बनी 9 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया और पराली प्रबंधन संयत्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय में शोध कार्य के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने की जबकि पद्मश्री डॉ. विजयपाल सिंह ने कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में पुरातत्व संग्रहालय व श्रम रोजगार राज्यमंत्री अनूप धानक सहित अनेक विशिष्ट व्यक्तियों ने शिरकत की।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौ. चरण सिंह और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ही किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा, जिनकी स्मृति में आज यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति पंजाब में आई तो श्वेत क्रांति गुजरात में आई, वहीं नीली क्रांति आंध्रप्रदेश में आई लेकिन हरियाणा इन तीनों क्रांतियों का लाभ उठाने वाला प्रदेश बना।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम The Tribune
दिनांक 23.12.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 6-8

Deputy Chief Minister Dushyant Chautala attends a function at HAU in Hisar on Sunday.

Dy CM bats for CAA, asks protesters to maintain calm

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, DECEMBER 22

Supporting the Citizenship Amendment Act (CAA), Deputy Chief Minister Dushyant Chautala has urged protesters not to be misguided by certain persons who are trying vitiate the atmosphere in the country.

He was interacting with mediapersons at Haryana Agricultural University (HAU) on the sidelines of Kisan Divas here today.

Dushyant stated that instead of resorting to violence, the protesters should take up their issues in a peaceful manner, adding that the CAA was not meant to confiscate the citizenship of any Indian.

Addressing the gathering at the HAU, the Deputy Chief Minister said there were immense possibilities for development in the field of agriculture.

> "Instead of resorting to violence, the protesters should take up their issues in a peaceful manner. The Citizenship Amendment Act is not meant to rob citizenship of any Indian."
> Dushyant Chautala, DEPUTY CM

Stating that institutions such as the HAU could play an important role in rural development, Dushyant announced a grant of Rs 31 lakh for research work in the university. He inaugurated an exhibition organised on the occasion and inspected the biogas plant of the university.

Prof KP Singh, HAU Vice Chancellor, stated that efforts of agricultural scientists and farmers of the state had increased production of wheat six times, of rice eight times, of cotton three times and of oilseeds five times in the last seven decades.

The Deputy Chief Minister gave away Kisan Rattan Award to Kulbir Singh of Kurukshetra and Pritam Singh of Panipat.

He honoured progressive farmers from various districts — Nirmal Singh (Yamunanagar), Suresh Kumar and Simarjit Kaur (Fatehabad), Jait Kumar and Shamsher Singh Sandhu (Sirsa), Sandeep and Anita (Rohtak), Suresh Goyal and Shri Ram Bhagat (Hisar), Bijan Singh Rawat (Palwal), Rishi Ram and Reena Devi (Jind), Mahindra Singh (Kaithal), Rohit Kumar (Ambala), Kishan Lal (Mahendragarh), Hakam Singh (Panchkula) and Mahesh Kumar (Sonepat).

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम Hindustan Times
दिनांक 23.12.2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 7-8

Haryana deputy chief minister Dushyant Chautala after the inauguration of statue of former PM Chaudhary Charan Singh in Hisar on Sunday.

Protesters want to destabilise country: Dushyant on CAA

HT Correspondent
letterschd@hindustantimes.com

CHANDIGARH/ROHTAK: Advising people to be careful about the rumours being spread by the vested interests regarding the citizenship act, Haryana deputy chief minister Dushyant Chautala on Sunday said some people were protesting to destabilise the country.

Coming out in support of the Citizenship Amendment Act (CAA) and slamming the protesters for spreading misinformation, Chautala, whose Jannayak Janta Party (JJP) is an ally of the BJP in Haryana, said nobody will lose citizenship because of the CAA. "First read this Act and understand it correctly and then argue your case peacefully. Beware of people trying to mislead ..." Chautala said in a statement, appealing people to maintain peace.

The Jannayak Janta Party leader unveiled a 9-foot statue of former Prime Minister Chaudhary Charan Singh at Chaudhary Charan Singh Haryana agricultural university in Hisar. He also addressed Farmers and discussed the upcoming challenges in agriculture and animal husbandry.

"Charan Singh was a great leader and he did a lot for welfare and unity of the farming community", he added.

On this occasion the deputy chief minister honoured as many as 22 farmers including 5 women for their contribution in agriculture. He also inaugurated bio gas thermal plant which will convert around 2,500 quintals paddy straw into electricity.

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........अमर उजाला........
दिनांक...23.12.2019... पृष्ठ सं....4.... कॉलम....1-2....

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

फूल गोभी में पछेती किस्म की पौध तैयार हो तो खेत में रोपाई करें

खेती में लगी फसल की देखभाल करें। फसल में दो बार यूरिया खाद देकर सिंचाई करें। पहली रोपाई के बाद लगभग तीन-चार सप्ताह बाद और फिर पौधों में गांठ बनते समय सिंचाई करें। पछेती किस्म की पौध तैयार हो तो खेत में रोपाई करें। हानिकारक कीड़ों चेपा, कूबड़ वाला कीड़ा और डायमंड बैकमॉथ से बचाव के लिए 400 मिलीलीटर मैलाथियान 50 ईसी को 250 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। आवश्यकता होने पर दस दिन बाद दोबारा छिड़काव करें। दवा छिड़काव के बाद एक सप्ताह तक फसल को खाने के काम में न लें।

डॉ. एस.के. सहरावत हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में अनुसंधान निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

डायमंड बैकमॉथ सुंडी के लिए ऊपर लिखी कीटनाशक या 400 ग्राम बैसिलस थुयरिनाजिएंसिस या 300 मिलीलीटर डायजिनान 20 ईसी या 60 मिलीलीटर नुवान 76 ईसी का प्रति एकड़ छिड़काव करें। वहीं बंदगोभी व गांठगोभी की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। फसल को यूरिया खाद दो बार दें। पहली रोपाई के तीन-चार सप्ताह बाद और फिर गांठ बनते समय (हर बार 35 किलोग्राम यूरिया खाद प्रति एकड़)। पछेती किस्मों की पौध की तैयार खेत में रोपाई करें। कीड़ों की रोकथाम फूलगोभी में बताए ढंग से करना आवश्यक है। इसके अलावा टमाटर की दूसरी फसल के लिए खेत को तैयार करें। नर्सरी में की गई बिजाई की देखभाल करें। इस माह भी नर्सरी में बिजाई की जा सकती है। बिजाई से पहले 2.5 ग्राम एमिसान या कैप्टान या थाइरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज का उपचार करें। कम तापमान होने के कारण अंकुरण और पौधे की बढ़त धीमी होगी। जल्दी अंकुरण व पौधे को पाले से बचाने के लिए नर्सरी की रात में पॉलिथीन की शीट से ढककर रखें।

सवाल भेजें - (वाट्सअप) 7617566173 roh-cityreporter@roh.amarujala.com

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ..... नभ छोर .....
दिनांक 22.12.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 5-8

हल्दी का प्राथमिक प्रसंस्करण विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार/22 दिसंबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मिट्टी एवं जल अभियान्त्रिकी विभाग के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार, प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियान्त्रिकी विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों एवं उद्यमियों के लिए आयोजित हल्दी का प्राथमिक प्रसंस्करण विषय पर प्रशिक्षण के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि कटाई के उपरान्त ठीक प्रकार से प्रबंधन न होने एवं प्रसंस्करण की कमी के कारण काफी मात्रा में हल्दी खराब हो जाती है। इस क्षति को कम करने के लिए, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विविधता के लिए, रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिये हल्दी का प्राथमिक प्रसंस्करण होना एक महत्वपूर्ण खण्ड है। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गए। प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियान्त्रिकी वभाग के अध्यक्ष डॉ. एमके गर्ग ने कहा कि हल्दी का प्राथमिक प्रसंस्करण उसकी गुणवत्ता को ध्यान में रखकर करना चाहिये जो कि बाजारीकरण एवं मूल्यवर्धन के लिये महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. विजय कुमार सिंह ने प्रशिक्षण का संक्षेप में वर्णन करते हुये यह बताया कि इस प्रशिक्षण में हल्दी को धोने, छाँटने, उबालने, सुखाने, पीसने एवं पैकेजिंग से संबधित आधुनिक तरीकों की जानकारी दी गयी और इस तीन दिन के प्रशिक्षण में 20 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं वैज्ञानिक भी उपस्थित थे।